Paper Code : 11110

232

MJPRUonline.com

B. A. (Part III) EXAMINATION, 2018

(Three-year Degree Course)

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिंदी निबन्ध तथा अन्य विधाएँ)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांशों की व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुःखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ हुजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने का मिथ्या आडम्बर करता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, सम्पूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है।

MJPRUonline.com

अथवा

सौन्दर्य का स्रोत जनता है। समाज के भीतर जो जीर्ण और मरणशील है, जो जीवंत और उदीयमान तत्व हैं, इनसे बाहर सुन्दर, असुन्दर की सत्ता नहीं है। जो जीर्ण और मरणशील हैं, उनके लिए सुन्दरता मृत्यु है, अन्याय-अत्याचार को फरेब से ढाकने में है। जो जीवित और उदीयमान हैं, उनके लिए सुन्दरता सत्य में है, मृत्यु को जीतने में है, सुख और शान्ति के उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने में है। साहित्य उस मंजिल तक पहुँचने का शक्तिशाली साधन है। MJPRUonline.com

(ख) उनका बड़प्पन जेठ की दुपहरिया के समान नहीं, कार्तिक की चाँदनी के समान था। अहंकार के ताप से मुक्त, ज्ञान के प्रकाश से युक्त, वत्सलता की शीतलता बरसाने वाला यानि ठंडी धूप जैसी चाँदनी वाला उनका व्यक्तित्व सामने वाले को अनायास अपनी ओर खींच लेता था। उनका साहचर्य अत्यंत सरस, ज्ञानवर्धक, आत्मीयतापूर्ण और उज्ज्वल हँसी की आभा से स्निग्ध हुआ करता था।

अथवा

जीवन की पुकार 'चरैवेति चरैवेति' चलना है चलना है। सब चलते हैं। जीवन गतिमान है। प्रकृति में निरन्तर हो रहे परिवर्तन इस गति के साक्षी हैं। नक्षत्र-मण्डल सदा चलता ही रहता है। पानी एक स्थान पर ठहरने पर दुर्गन्ध देने लगता है और दूज का चन्द्रमा निरन्तर यात्रा के कारण पूर्ण चन्द्र बन जाता है।

(ग) विशुद्ध लज्जा अपने विषय में दूसरों की ही भावना पर दृष्टि रखने से होती है। अपनी बुराई, मूर्खता, तुच्छता इत्यादि का एकान्त अनुभव करने से वृत्तियों में जो शैथिल्य आता है, उसे 'ग्लानि' कहते हैं। इसे अधिकतर

MJPRUonline.com

उन लोगों को भोगना पड़ता है, जिनका अन्तःकरण सत्व-प्रधान होता है। जिनके संस्कार साखिक होते हैं जिनके भाव कोमल और उदार होते हैं। जिनका हृदय कठोर होता है जिनकी वृत्ति क्रूर होती है जो सिर से पैर तक स्वार्थ में निमग्न होते हैं, उन्हें सहने के लिए संसार में इतनी बाधाएँ, इतनी कठिनाइयाँ, इतने कष्ट होते हैं कि ऊपर से इसकी भी न उतनी जरूरत होती है, न जगह।

अथवा

रामचन्द्र के राज्याभिषेक की जब तैयारियाँ हो रहीं थी, सारा नगर नन्दन-वन लग रहा था, उस समय नवला उर्मिला कितनी खुशी मना रही थी, सो क्या आपने नहीं देखा ? अपने पति के परमाराध्य राम को राज्य सिंहासन पर आसीन देख उर्मिला को कितना आनन्द होता, इसका अनुमान क्या आपने नहीं किया ? हाय ! वही उर्मिला एक घण्टे बाद राम-जानकी के साथ निज पति को चौदह वर्ष के लिए वन जाते हुए देख छिन्नमूल शाखा की तरह राज-सदन की एक एकान्त कोठरी में भूमि पर लोटती हुई क्या आपको नयनगोचर नहीं हुई ?

MJPRUonline.com

खण्ड—ब

(आलोचनात्मक प्रश्न)

2. 'कुटज' निबन्ध का सारांश लिखिए। 10

अथवा

हिन्दी निबन्ध के विकास में विद्यानिवास मिश्र के योगदान की समीक्षा कीजिए।

3. 'सुधियाँ उस चन्दन वन की' संस्मरण में हजारीप्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 10

MJPRUonline.com

अथवा

महादेवी वर्मा के रेखाचित्र 'भक्तिन' का सारांश लिखिए।

खण्ड—स

प्रत्येक 3

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4. लज्जा और ग्लानि में अन्तर बताइए।
5. रेखाचित्र की विशेषताएँ बताइए।
6. तीन व्यंग्य लेखकों के नाम लिखिए।
7. साहित्य में सौन्दर्य की उपयोगिता पर संक्षेप में अपने विचार लिखिए।
8. 'भक्तिन' की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

खण्ड—द

प्रत्येक 1

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. बालमुकुन्द गुप्त किस पत्र के सम्पादक थे ?
10. कुबेरनाथ राय किस प्रकार के निबन्ध लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं ?
11. 'हँसो-हँसो, जल्दी हँसो' किसकी रचना है ?
12. 'छायावाद' निबन्ध के लेखक कौन हैं ?
13. हरिशंकर परसाई किस विधा के साहित्यकार हैं ?
14. 'चिन्तामणि' किसकी रचना है ?
15. महादेवी वर्मा को किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?
16. 'ज्योति पुंज हिमालय' में लेखक ने हिमालय के कितने भाग बताए हैं ?
17. शरद जोशी का किस प्रान्त से सम्बन्ध रहा है ?
18. 'सोना-माटी' किसकी रचना है ?

MJPRUonline.com

24000